भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

विषयः भाविप्रा ने अपने पैन इंडिया कर्मचारियों के लिए "विमानपत्तन प्रचालन का परिचय" विषय पर अपने पहले ई-लर्निग कार्यक्रम की शुरुआत की

नई दिल्ली, 7 अक्तूबर, 2015: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने अपने पैन इंडिया कर्मचारियों के लिए "विमानपत्तन प्रचालन का परिचय" विषय पर अपने पहले ई-लर्निग कार्यक्रम की शुरुआत की। यह ज्ञान-संवर्द्धन की दिशा में की गई एक राष्ट्रव्यापी पहल है। इस कार्यक्रम को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने आई.ए.टी.ए, एयरलाइन उद्योग का विश्वव्यापी स्तर पर प्रतिनिधित्व करने तथा उसे सेवाएँ देने वाला व्यवसाय संघ के सहयोग से विकसित किया है।

श्री अनुज अग्रवाल, सदस्य (मानव संसाधन) भाविप्रा ने अपने उदघाटन भाषण में कहा कि "हमारा विश्वास है कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए कुशल कार्य-बल का होना आज की अनिवार्य आवश्यकता है तथा अपने पेशेवर कार्मिकों के ज्ञान को बढ़ाना अति आवश्यक है ताकि सभी हवाईअड्डों पर कार्यरत कार्मिकों को एक समान बुनियादी प्लेटफार्म पर खड़ा किया जा सके।" उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से देश के सुदूर क्षेत्रों विशेष कर पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित हवाईअड्डों पर कार्यरत कार्मिकों को एक समान अवसर प्राप्त होते हैं।

श्री राजीव गोयल, कार्यपालक निदेशक (प्रशिक्षण), भाविप्रा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में यह जानकारी प्रदान की कि यह कार्यक्रम ई-बुक फार्मेट में ऑनलाइन-माड्यूल के रुप में बना हुआ है और विद्यार्थी इसे डाउनलोड कर सकते हैं तथा एक महीने के अंदर इसका अध्ययन कर सकते हैं। इससे उनके दैनिक कार्य में कोई अवरोध नहीं आएगा।

समझौते के बारे में बताते हुए **अमिताभ खोसला, व्यवसाय प्रमुख, आई.ए.टी.ए.** ने कहा कि "पूरे विश्व के विमानन क्षेत्र को सही तकनीकी ज्ञान वाले एवं कुशल लोगों को भर्ती करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होता जा रहा है कि वे कार्यबल में शामिल हो रहे युवाओं के कौशल विकास एवं उन्हें रोजगार के योग्य बनाए जाने पर ध्यान केन्द्रित करें"

जनसम्पर्क निदेशालय द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें
म.प्र. (जनसंपर्क) 011-24622787, 9810025069,
सं. 50/2015-16

श्री अनुज अग्रवाल, सदस्य (मानव संसाधन), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अपने पैन इंडिया कर्मचारियों के लिए “विमानपत्तन प्रचालन का परिचय” विषय पर बनाए गए अपने पहले ई-लर्निंग कार्यक्रम की शुरुआत के अवसर पर भारतीय विमानन अकादमी, नई दिल्ली में अपने विचार प्रकट करते हुए।